an>

Title: Need to give the status of Scheduled Tribes to Boya and Valmiki Boya Caste in Telangana State.

श्री नन्दी एल्लैया (नगर कुरनूल) : सभापति महोदय, आपने मुझे ज़ीरो आवर में बोलने का मौका दिया है, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। तेलंगाना राज्य की बोया, बीसी ए वाल्मीकि बोया समुदाय को तेलंगाना राज्य में अनुसूचित जनजाति समुदाय में परिवर्तन करने की अपील है। महान पुण्य व्यक्ति महर्षि वाल्मीकि जिन्होंने महान ग्रंथ वाल्मीकि रामायण की रचना की, उनका जन्म अत्यंत पिछड़े बोया समुदाय में ही हुआ था। अतः इस समुदाय को तेलंगाना राज्य में अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाना चाहिए। 1956 से पहले आंध्र प्रदेश राज्य गठन के सामने बोया समुदाय को अनुसूचित जाति जनजाति के रूप में घोषित किया गया था, लेकिन आंध्र प्रदेश राज्य के गठन के पश्चात् यह राज्य आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य के रूप में छांटा गया। बिना किसी उचित कारण के इसी बोया समुदाय को तेलंगाना राज्य में बीसीए वाल्मीकि समुदाय में जोड़ा गया, जबकि आंध्र प्रदेश राज्य के गठन के समय से आज तक बोया समुदाय को अनुसूचित जाति समुदाय में जोड़ा गया। बोया समुदाय की जनसंख्या 3,36,349 है जिसको अनुसूचित जाति समुदाय में जोड़ा गया। तेलंगाना राज्य में महबूबनगर डिस्ट्रिक्ट है जहाँ से मैं चुनकर आया हूँ। इस जिले में अकेले ही बोया समुदाय की जनसंख्या 2,50,696 है। तेलंगाना राज्य से संबंधित बोया समुदाय अत्यंत ही निर्धन है तथा सामाजिक और आर्थिक रूप से एकदम पिछड़ा हुआ है। इनका जीवन हर स्तर पर पिछड़ा हुआ है। इससे कुछ लोग अभी भी मैदान क्षेत्र में अत्यंत पिछड़े हुए हैं। अतः बिना किसी सामाजिक ढाँचे के बदलाव के ऐसे तत्वों पर दृष्टि रखते हुए मैं केन्द्र सरकार से आग्रह करूँगा कि इस समुदाय को तेलंगाना राज्य की अनुसूचित जाति में दर्जा दिया जाए।

HON. CHAIRPERSON : Hon. Members, whatever you want to say, please put your demand directly to the Government. It would be difficult for me if you continue for a long time as many Members are there to speak.